समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

साइकिल पर घर-घर दूध पहुंचाने से शुरू हुआ सफर, आज 4,000 लीटर दूध कलेक्शन तक पहुंची श्री गजानन डेयरी ; स्वप्निल और सुनील पाटील ने आगे बढ़ाया परिवार का कारोबार

Sanket Morankar

Published on 17 Aug 2026

किसी भी बड़े व्यवसाय की नींव हमेशा बड़े निवेश या आधुनिक संसाधनों से नहीं पड़ती। कई बार मेहनत, जिद, ग्राहक का विश्वास और परिवार का साथ एक छोटे से प्रयास को बड़ी सफलता में बदल देते हैं। **श्री गजानन डेयरी एंड मिल्क प्रोडक्ट कंपनी, पाचोरा** इसकी एक प्रेरणादायी मिसाल है।

साल **1985 मे साइकिल से घर-घर दूध पहुंचाने से शुरू हुआ यह सफर** आज करीब **4,000 लीटर दूध कलेक्शन**, **100 से 120 दूध उत्पादक किसानों** और विभिन्न दुग्ध उत्पादों के निर्माण तक पहुंच चुका है। संस्थापक **आबा तुकाराम पाटील** द्वारा शुरू किए गए इस व्यवसाय को आज उनके परिवार की अगली पीढ़ी, **स्वप्निल आबाजी पाटील और सुनील आबाजी पाटील**, आगे बढ़ा रहे हैं।

साइकिल से शुरू हुआ दूध व्यवसाय

श्री गजानन डेयरी की सफलता की कहानी वर्ष 1985 से शुरू होती है। उस समय आबा तुकाराम पाटील ने **साइकिल से घर-घर दूध पहुंचाने** का काम शुरू किया।

अंतुरली से पाचोरा तक दूध पहुंचाने के दौरान उनके पास आधुनिक मशीनरी या बड़े संसाधन नहीं थे। उनके पास था तो केवल मेहनत करने का जज्बा और अपने काम के प्रति विश्वास।

लगातार ग्राहकों तक दूध पहुंचाने और बेहतर सेवा देने से उन्होंने लोगों का विश्वास हासिल किया। यही विश्वास आगे चलकर उनके व्यवसाय की सबसे बड़ी ताकत बना।

2001 से 2008 तक घर से दूध संकलन और बिक्री

वर्ष **2001 से 2008** के बीच आबा तुकाराम पाटील ने अपने घर से ही दूध संकलन और खरीद-बिक्री का काम शुरू किया।

घर पर ही दूध सेंटर बनाकर आसपास के दूध उत्पादक किसानों से दूध लिया जाने लगा। धीरे-धीरे किसानों का विश्वास बढ़ा और दूध व्यवसाय का दायरा भी विस्तार लेने लगा।

यही छोटा सा घरेलू प्रयास आगे चलकर एक व्यवस्थित डेयरी व्यवसाय की नींव बना।

2008 में हुई श्री गजानन डेयरी की शुरुआत

वर्ष **2008 मे पांचोरा के शॉपिंग मार्केट मे एंक गाला लेकर श्री गजानन डेयरी की आधिकारिक शुरुआत** की गई।

शुरुआत में संसाधन सीमित थे। भट्टी, फ्रिज, फैट मशीन और अन्य जरूरी साधनों के माध्यम से दूध, दही और पेढ़ा जैसे उत्पादों का निर्माण शुरू किया गया।

छोटी जगह और सीमित संसाधनों के बावजूद गुणवत्ता और ग्राहकों के विश्वास को प्राथमिकता दी गई। समय के साथ व्यवसाय का विस्तार होता गया।

चुनौतियों के बीच लगातार आगे बढ़ने की कोशिश

व्यवसाय को आगे बढ़ाने के दौरान कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उत्पादन बढ़ाना, ग्राहकों तक उत्पाद पहुंचाना, बिक्री बढ़ाना, आवश्यक मशीनरी की व्यवस्था करना और दूध को उचित तरीके से ठंडा कर उससे गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार करना जैसी अनेक चुनौतियां सामने आईं।

लेकिन इन कठिनाइयों से पीछे हटने के बजाय हर चुनौती का सामना करते हुए व्यवसाय को आगे बढ़ाया गया।

दूध से तैयार किए जा रहे विभिन्न उत्पाद

दूध के उचित शीतकरण और प्रसंस्करण के बाद उससे अलग-अलग दुग्ध उत्पाद तैयार किए जाने लगे।

दूध, दही और पेढ़े के साथ आगे चलकर **खवा, कलाकंद, ताक और श्रीखंड** जैसे उत्पाद भी तैयार किए गए।

ग्राहकों की पसंद और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उत्पादों में विविधता लाने का प्रयास किया गया। **गुणवत्ता, स्वाद और ग्राहक का विश्वास** व्यवसाय की प्रमुख प्राथमिकताओं में रहे।

100 से 120 दूध उत्पादक किसानों से जुड़ा कारोबार

श्री गजानन डेयरी का एक महत्वपूर्ण पक्ष दूध उत्पादक किसानों के साथ बना विश्वास का रिश्ता है।

कंपनी आसपास के कई गांवों के नजदीक होने के कारण किसानों के लिए दूध पहुंचाना सुविधाजनक रहा। वर्तमान में कंपनी के साथ करीब **100 से 120 दूध उत्पादक किसान** जुड़े हुए हैं और लगभग **4,000 लीटर दूध का कलेक्शन** किया जाता है।

इस तरह डेयरी और किसानों के बीच संबंध केवल खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं रहकर विश्वास और सहयोग का रूप ले चुका है।

ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर

श्री गजानन डेयरी ने दुग्ध व्यवसाय के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करने में भी योगदान दिया है।

कंपनी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के महिला और पुरुषों को रोजगार के अवसर मिले हैं। किसी उद्योग की सफलता तब और महत्वपूर्ण हो जाती है, जब उसके विकास का लाभ आसपास के लोगों तक भी पहुंचे।

परिवार की मजबूत एकजुटता बनी सफलता की ताकत

श्री गजानन डेयरी की सफलता के पीछे संस्थापक आबा तुकाराम पाटील की मेहनत के साथ-साथ **पूरे परिवार का सहयोग** भी महत्वपूर्ण रहा है।

उनकी पत्नी, बच्चों और बहुओं ने परिवार और व्यवसाय से जुड़ी जिम्मेदारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। व्यवसाय को आगे बढ़ाने में परिवार की एकजुटता लगातार मजबूत आधार बनी रही।

स्वप्निल और सुनील पाटील ने आगे बढ़ाया विरासत

संस्थापक द्वारा खड़ी की गई नींव को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अब अगली पीढ़ी ने संभाली है।

स्वप्निल आबाजी पाटील और सुनील आबाजी पाटील ने परिवार के व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं।

वडिलांनी कष्टातून उभा केलेला व्यवसाय पुढच्या पिढीने केवळ सांभाळला नाही, तर त्याचा विस्तार करण्याचाही प्रयत्न केला. त्यामुळे हा व्यवसाय केवळ एका पिढीचा उद्योग न राहता **कष्ट, प्रामाणिकपणा आणि मूल्यांचा वारसा** बनला आहे।

4,000 लीटर दूध कलेक्शन से आगे बढ़ता कारोबार

साइकिल से घर-घर दूध पहुंचाने से शुरू हुई यात्रा आज करीब **4,000 लीटर दूध कलेक्शन** तक पहुंच चुकी है।

100 से 120 दूध उत्पादक किसानों के साथ जुड़ाव और विभिन्न दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता ने श्री गजानन डेयरी को अपनी अलग पहचान बनाने में मदद की है।

नए उत्पाद लॉन्च करने की तैयारी

भविष्य को लेकर कंपनी की ओर से नए उत्पादों को बाजार में लाने की योजना है। विशेष रूप से **विभिन्न प्रकार की आइसक्रीम और कुल्फी** के नए और इनोवेटिव विकल्प तैयार करने का मानस है।

कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों को अधिक विकल्प उपलब्ध कराने के साथ-साथ गुणवत्ता, स्वाद और सेवा के स्तर को बनाए रखना है।

संघर्ष, विश्वास और परिवार की एकजुटता

श्री गजानन डेयरी की यात्रा में कई महत्वपूर्ण पड़ाव रहे हैं। साइकिल से दूध वितरण, घर से दूध संकलन, छोटी दुकान से डेयरी की शुरुआत और फिर हजारों लीटर दूध के कलेक्शन तक पहुंचना इस संघर्षपूर्ण यात्रा को दर्शाता है।

इस सफलता में **किसानों का सहयोग, ग्राहकों का विश्वास, कर्मचारियों की मेहनत और परिवार की एकजुटता** महत्वपूर्ण रही है।

श्री गजानन डेयरी एंड मिल्क प्रोडक्ट कंपनी की कहानी छोटे स्तर से शुरू होकर निरंतर मेहनत और पारिवारिक सहयोग के दम पर आगे बढ़ने की प्रेरणादायी गाथा है। वर्ष 1985 में आबा तुकाराम पाटील द्वारा साइकिल से घर-घर दूध पहुंचाने से शुरू हुआ सफर 2008 में डेयरी की स्थापना और आज करीब 4,000 लीटर दूध कलेक्शन तक पहुंच चुका है। वर्तमान में स्वप्निल आबाजी पाटील और सुनील आबाजी पाटील परिवार की इस विरासत को आगे बढ़ाने में जुटे हैं। किसानों का विश्वास, ग्राहकों की पसंद, गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद और परिवार की एकजुटता इस व्यवसाय की प्रमुख ताकत हैं। भविष्य में नए आइसक्रीम और कुल्फी उत्पादों के साथ कंपनी को और विस्तार देने की दिशा में प्रयास जारी हैं।

एक परिवार, एक विरासत और एक बड़ा सपना—श्री गजानन डेयरी की सफलता की कहानी आज भी जारी है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.